अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.टी.)
Post Graduate Diploma in Translation (PGDT)

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No.	Course Code	Title of the Course/पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits
One year Course	501	PGDT-01	Translation : Theories and Techniques अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि	8
	502	PGDT-02	Linguistic and Social Aspects of Translation अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष	8
	503	PGDT-03	Translation Practice : Levels and Areas व्यावहारिक अनुवाद : स्तर और क्षेत्र	8
	504	PGDT-04	Administrative Translation प्रशासनिक अनुवाद	8
	25026	PGDT-05	हिन्दी भाषाः इतिहास एवं वर्तमान	4
	25027	PGDT-06	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4
Total Credits				**40**

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

Post Graduate Diploma in Translation

PGDT - 01

अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

प्रथम खण्ड अनुवाद का अर्थ : परम्परा और महत्व

इकाई –01 अनुवाद : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, विस्तार, अनुवाद का स्वरूप (व्यापक स्वरूप, सीमित स्वरूप, कथ्य का प्रतीकान्तरण, अनुवाद व्यापक, संदर्भ में अंतः भाषिक, अनुवाद, अन्तरभाषिक अनुवाद, अन्तर प्रतीकात्मक अनुवाद) ,अनुवाद सीमित संदर्भ में (पाट धर्मी आयाम, प्रभाव धर्मी आयाम)।

इकाई –02 अनुवाद की परम्परा (पाश्चात्य वांगमय में)

अनुवाद का आरम्भ, बाइबिल के अनुवाद, सर्जनात्मक साहित्य तथा अन्य वांगमय के अनुवाद (लैटिन में अनुवाद, अंग्रेजी में अनुवाद, जर्मनी में अनुवाद, फ्रांसीसी में अनुवाद), महत्वपूर्ण उपलब्धियॉं, प्राचीन भारतीय साहित्य के अनुवाद।

इकाई –03 अनुवाद की परम्परा (भारतीय वांगमय में)

प्राचीन भारतीय वांगमय में अनुवाद की स्थिति, अनुवाद का पूर्व रूप, (पदपाठ और निरूक्ति, भाष्य, टीका), अंतराभाषायी अनुवाद, भारतीय साहित्य के विदेशी भाषाओं में अनुवाद (वैदिक साहित्य, ब्राहमण ग्रंथ, उपनिषदः रामायण महाभारत, पुराण आदि, अन्य संस्कृत रचनाएं), संस्कृत ग्रन्थों के हिन्दी अनुवाद (मध्यकाल, आधुनिक काल), पश्चिमी रचनाओं के हिनी अनुवाद, आधुनिक भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद।

इकाई –04 अनुवाद का महत्व

अनुवाद क्यों? अनुवाद की हैसियतः राष्ट्रीय एकता में अनुवाद का महत्व, सामाजिक संस्कृति के विकास में अनुवाद का महत्व, भारतीय साहित्य के अध्ययन में अनुवाद का महत्व, अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य के अध्ययन अध्यापन में अनुवाद का महत्व, तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद का महत्व व्यवसाय के क्षेत्र में अनुवाद का महत्व, प्रशासनिक क्षेत्र में अनुवाद का महत्व, जन संचार माध्यमों में अनुवाद का महत्व, शिक्षा के क्षेत्र में अनुवाद का महत्व।

द्वितीय खण्ड अनुवाद की प्रकिया, प्रकार एवं सीमाएं

इकाई –05 अनुवाद की प्रकिया

अनुवाद को समझने की दो दृष्टिय (पाठकपरक, प्रक्रियापरक), अनुवाद का व्यापार क्षेत्र, अनुवाद प्रक्रिया : विभि द्वारा प्रस्तावित प्रारूप, न्यूमार्क द्वारा प्रस्तावित प्रारूप, भूमि समस्या प्रारूप)।

इकाई –06 अनुवाद के प्रकार

अनुवाद के प्रकारों के वर्गीकरण के अन्य (माध्यम प्रक्रिया पाठ के आधार पर), अनुवाद के प्रकारों पर विस्तृत चर्चा (अंतः भाषिक अनुवाद, अंतरभाषिक अनुवाद, अंतर्प्रतीकात्मक अनुवाद, आशु अनवुाद, पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, लिप्यंकन, लिप्यंतरण पाठधर्मी अनुवाद, प्रभावधर्मी अनुवाद, पूर्ण अनुवाद, आंशिक अनुवाद, समग्र अनुवाद, परिसीमित अनुवाद, शब्द प्रति शब्द अनुवाद, भावानुक छायानुवाद।

इकाई –07 **अनुवाद की सीमाएं**

स्रोत भाषा और (लक्ष्य भाषा की प्रकृतिगत सीमाएं, अननुवाद्यता की अवधारणा (अननुवाद्यता से तात्पर्य, अननुवाद्यता के आयाम– विषय वस्तु के स्तर पर अभिव्यक्ति के स्तर पर), अनुवाद की सीमाएं : सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में, अनुवाद की क्षेत्रीयतापरक सीमाएं।

इकाई –08 **अंग्रेजी हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और उनका समाधान –** उपयुक्त पर्याय चयन की समस्या, क्रिया विशेषण तथा विशेषण शब्दों के अनुवाद, क्रियापद का अनुवाद, कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य, प्रत्यक्ष और परोक्ष कथन, मिश्र वाक्यों का अनुवाद मुहावरे और कहावतें, सफल अनुवाद की पहचान ।

इकाई –09 **अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं –**

अनुवाद की चुनौतियॉ (भाषा समाजों की स्वायत्तता, मिथुक प्रतीक एवं सौन्दर्य प्रतिमानों की विशिष्टता, साहित्यानुवाद की कठिनाइयॉ), अनुवादक के गुण, अनुवादक के दायित्व, अनुवादक से अपेक्षाएं।

तृतीय खण्ड **अनुवाद के साधन उपकरण–**

इकाई –10 **कोश और उनके प्रकार –**

कोष से तात्पर्य, अनुवाद में कोश की उपयोगिता, कोशों के प्रकार ।

इकाई –11 **कोशों का उपभोग –।**

संकेत प्रणाली तथा संकेतों की विशेषताएं, शब्दकोश देखना (वर्ण क्रम, व्याकरण कोटि, अन्य जानकारी, कोश में शब्द ढूंढना)।

इकाई –12 **कोशों का उपयोग–।।**

'थिसारस' का उपयोग, पर्याय कोश का उपयोग, अन्य भाषिक कोशों का उपयोग, उच्चारण कोश का उपयोग, विषय कोश, परिभाषा कोश तथा विश्वकोश का उपयोग, साहित्य कोश का उपयोग, पुराण तथा मिथक कोशे का उपयोग, कब कौन सा कोश देखें।

इकाई –13 **कोश निर्माण और कम्प्यूटर**

कोश निर्माण क्यों होता है और कौन करता है? शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया – संक्षिप्त परिचय (संकलन, संपादन, प्रेसकापी निर्माण/मुद्रण), कम्प्यूटर का संक्षिप्त परिचय, शब्द कोश निर्माण में कम्प्यूटर का प्रयोग, कम्प्यूटर अनुवाद में शब्दकोश का प्रयोग (कम्प्यूटर अनुवाद की प्रकृति, कम्प्यूटर शब्द कोश लेक्सिकॉन)।

चतुर्थ खण्ड **अनुवाद के स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना**

इकाई –14 **व्यतिरेकी विश्लेषण प्रणाली और अनुवाद –**

स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के स्तरों की सम्मिश्रण, विभेद, अभेद और अंशव्याप्ति समारार्थी साधन, कर्ता और उसके वाक्यगत अर्थ।

इकाई –15 **अनुवाद में कुछ जोड़ना या छोड़ना**

अनुवाद में समतुल्यता का सिद्धान्त, इस सिद्धान्त के पालन की सीमा, भाषाओं की विविधता, सृजनात्मक साहित्य की अपेक्षाएं, भाषिक अपेक्षाएं (सांस्कृतिक जरूरतें,पौराणिक अपेक्षाएं, अनेकार्थता, ध्वनित अर्थ, पदपाठ द्वारा अनुवाद, संप्रेषणीयता), दार्शनिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई –16 **अनुवाद का सामाजिक सांस्कृतिक सन्दर्भ (स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना) –**

संस्कृति, भाषा और साहित्य का अंतःसंबन्ध , संस्कृति के विकास में अनुवाद की भूमिका (मौखिक साहित्य का अनुवाद, लिपि अनुवाद), भाषाओं की सांस्कृतिक विशिष्टता, भाषा की विन्यासगत विशिष्टता सामाजिक सांस्कृतिक विशिष्टताओं का अनुवाद में पुनःसृजन।

इकाई –17 **अनुवाद में लोकोक्तियॉ और मुहावरे (स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना) –**

मुहावरों और लोकोक्तियों का भाषा में स्थान, विशेषता, लोकोक्तियों और मुहावरों का अनुवाद, अंग्रेजी हिन्दी लोकोक्तियां और मुहावरनों की परस्पर तुलना।

इकाई –18 अनुवाद विज्ञान है अथवा कला अथवा शिल्प

पंचम खण्ड **अनुवाद के अन्य रूप**

इकाई –19 **लिप्यंतरण**

लिपि से तात्पर्य, लिप्यंतरण क्या है? सामान्य अनुवाद और लिप्यंयतरण में अन्तर, स्वनिमिक अंतरण और लिप्यंतरण में अन्तर, लिप्यंकन और लिप्यंतरण में अन्तर, अनुवाद के दौरान लिप्यंतरण की आवश्यकता (विभिन्न प्रकार के अननद्य शब्द, व्यक्तिवाचक संज्ञाए, पारिभाषिक शब्द),देवनागरी से रोमने में लिप्यंतरण रोमन से देवनागरी में लिप्यंतरण भारतीय भाषाओं के बीच लिप्यंतरण देवनागरी वर्णमाला का परिवर्धित रूप देवनागरी लिपि में जोड़े गये विशेष चिन्ह, लिप्यंतरण का व्यावहारिक पक्ष।

इकाई –20 **मशीनी अनुवाद (कम्पयूटर पर अनुवाद)**

मशीनी अनुवाद का आरंभ मशीनी अनुवाद कैसे होता है? कम्प्यूटर आधारित शब्द कोश, मशीनी अनुवाद की प्रमुख प्रविधियॉ (सीधे अनुवाद, अंतरण अनुवाद, अंतर्भाषिक मशीनी अनुवाद पद्धति), मशीनी अनुवाद में व्याकरण तथा पद व्याख्या, उपभाषाएं, निष्पादन और मूल्यांकन, मशीनी अनुवाद में गुणवत्त मनुष्य मशीन सहयोग (अनुवाद सहायिकाएं, अनुवादोत्तर संपादन/ पश्च संपादन पूर्व संपादन, ज्ञान आधारित मशीनी अनुवाद प्रणाली, मनुष्य मशीन पारस्परिक सहयोग प्रणाली (इंटरएक्टिव प्रणाली) अनुवाद के विविध विषय क्षेत्र और मशीनी अनुवाद।

षष्ठ खण्ड **अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन और समीक्षा**

इकाई –21 **अनुवाद का पुनरीक्षण**

पुनरीक्षण क्या है? कैसे होता है? पुनरीक्षण कौन करता है? पुनरीक्षण प्रशिक्षक, पुनरीक्षण का महत्व, पुनरीक्षण का अभ्यास।

इकाई –22 **अनुवाद मूल्यांकन और अनुवाद समीक्षा**

अनुवाद मूल्यांकन क्या है? अनुवाद मूल्यांकन की पद्धतियॉ (पुनरनुवाद आधारित मूल्यांकन, अनुक्रिया, आधारित मूल्यांकन, क्लोज परीक्षण, वाचन परीक्षण), अनुवाद समीक्षा : स्वरूप और प्रकृति (वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक अनुवाद समीक्षा, अनुवाद के पुनरीक्षण, मूल्यांकन और समीक्षा में अंतर।

,

PGDT - 02

अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

प्रथम खण्ड **भाषा : अर्थ और प्रकृति**

इकाई –01 भाषा की प्रकृति और स्वरूप विश्लेषण

इकाई –02 वाक्य और उपवाक्य

इकाई –03 काल, वचन और लिंग

द्वितीय खण्ड **शब्द निर्माण और पारिभाषिक शब्दावली**

इकाई –04 शब्द रचना

इकाई –05 **पारिभाषिक शब्दावली – I**

अनुवाद में तकनीकी/परिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता, पारिभाषिक शब्द से तात्पर्य, सामान्य शब्दों और तकनीकी शब्दों में समानता तथा अंतर, पारिभाषिक शब्द के लक्षण, भारत में पारिभाषिक शब्दावली का ऐतिहासिक परिदृश्यः स्वातंत्र्योत्तर भारत में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण का कार्य, पारिभाषिक शब्दावली संबंधी दृष्टिकोण अथवा विचारधाराएं।

इकाई –06 **पारिभाषिक शब्दावली – II**

तकनीकी एवं वैज्ञानिक शब्दावली आयोग का दृष्टिकोण, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया, पारिभाषिक शब्दावली की जटिलता का प्रश्न, भाषा की प्रवृत्ति के अनुरूप , पारिभाषिक शब्दावली का विकास, अखिल भारतीय पारिभाषिक शब्दावली

तृतीय खण्ड **हिन्दी भाषा और मानकीकरण**

इकाई –07 भाषा का मानकीकरण

इकाई –08 देवनागरी लिपि और वर्तनी का मानकीकरण

चतुर्थ खण्ड **अनुवाद का सामाजिक सन्दर्भ**

इकाई –.09 बहुभाषिक समाज में अनुवाद

इकाई –10 अनुवाद और संस्कृति आदान प्रदान

इकाई –11 भाषा विकास में अनुवाद की भूमिका

इकाई –12 राष्ट्रीय सामाजिक विकास और अनुवाद

इकाई –13 अनुवाद : रोजगार के रूप में

पंचम खण्ड **शिक्षा में अनुवाद**

इकाई –14 भारतीय साहित्य के अध्ययन में अनुवाद का महत्व

इकाई –15 तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन और अनुवाद

इकाई –16 भाषा शिक्षण में अनुवाद

इकाई –17 शिक्षा में अनुवाद की विभिन्न स्तरों पर आवश्यकता

इकाई –18 शिक्षा माध्यम में अनुवाद की भूमिका

इकाई –19 दूर शिक्षा अनुवाद

इकाई –20 मूल्यांकन सामग्री का अनुवाद

षष्ठ खण्ड **भारतीय प्रशासन व्यवस्था में अनुवाद**

इकाई –21 संघ की राजभाषा नीति (सांविधानिक व्यवस्था)

इकाई –22 संघ की राजभाषा नीति (कार्यान्वयन)

इकाई –23 प्रशासनिक क्षेत्र में अनुवाद की आवश्यकता और स्थिति

PGDT - 03

व्यावहारिक अनुवाद : स्तर और क्षेत्र

प्रथम खण्ड **वाक्य रचना का संरचनात्मक विश्लेषण : तुलना और पुनःसृजन–।**

इकाई –01 वाक्य रचना : सामान्य परिचय (अंग्रेजी हिन्दी वाक्य)

इकाई –02 संज्ञा पदबंध

इकाई –03 **क्रिया पदबंध का स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद –।**

क्रिया पदबंध क्या है? क्रिया के पदबंध संघटक तत्व, काल और पक्ष, काल के विभिन्न रूप (वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यकाल)।

इकाई –04 **क्रिया पदबंध का स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद–।।**

'सक' वर्ग (Modals): स्वरूप और विशेषताएं ('सकना' व 'चाहिए' का अनुवाद, 'चाहिए' का नकारात्मक रूप, Used to Dare का प्रयोग), वाच्य (Voice) स्वरूप और विशेषताएं (वाच्य परिवर्तन, वाच्य परिवर्तन के सामान्य और विशिष्ट नियम, आज्ञार्थ कर्म वाच्य, सामान्यार्थ कर्मवाच्य, 'सक' वर्ग (Modals) का कर्मवाच्य, निषेधात्मक वाक्यों का कर्मवाच्य, प्रश्नवाचक वाक्यों का कर्मवाच्य, कर्मवाच्य का प्रयोग कब करें आदि।)

द्वितीय खण्ड **वाक्य रचना का संरचनात्मक विश्लेषण : तुलना और पुनः सृजन–।।**

इकाई –05 **विभिन्न प्रकार की क्रियाएं : उनकी प्रकृति, स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद –।**

योजक क्रियाएं (Linking verbs) और अनके अनुवाद, सकर्मक तथा अकर्मक क्रियाएं और उनके अनुवाद, संज्ञार्थक क्रियाएं : कृदंत (Infinitives) और उनके अनुवाद, संज्ञार्थक क्रियाएं : कृदंत (Gerunds) और उनके अनुवाद।

इकाई –06 **विभिन्न प्रकार की क्रियाएं : उनकी प्रकृति, स्वरूप और कार्य तथा अनुवाद –।।**

कृदन्त (Participles)- वर्तमानकालिक (Present Participle) पूर्णकालिक (Perfect Participle) और भूतकालिक कृदन्त (Past Participle) कार्य व्यापार होते रहने का बोध कराने वाली क्रियाओं का अनुवाद, बाध्यता/वांछनीयतामूलक क्रियाएं और उनका अनुवाद, मालारूप/ श्रृंखलाबद्ध क्रियाएं (Catenative Verbs) और उनका अनुवाद, प्रेरणार्थ क्रियाएं (Causative Verbs) और उनका अनुवाद ।

इकाई –07 **उपवाक्य और समुच्चयबोधनों की भूमिका** उपवाक्य की संरचना, तत्व, समुच्चय बोधक (Conjunctions) प्रकार, वाक्य संयोजक (Sentence Connectors) उपवाक्यों के प्रकार, शर्तसूचक वाक्य (Conditional Sentences) (अनुवाद के कुछ नमूने भी)।

इकाई –08 विशेषण, क्रिया विशेषण, सम्बन्धबोधक अव्यय तथा उपपद (आर्टिकल्स)

तृतीय खण्ड **पर्याय चयन और जटिल वाक्य**

इकाई –09 पर्याय चयन –। (हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद के सन्दर्भ में)

इकाई –10 पर्याय चयन –।। (अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के सन्दर्भ में)

इकाई –11 जटिल वाक्यों का अनुवाद –। (अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के संदर्भ में)

इकाई –12 जटिल वाक्यों का अनुवाद–।। (हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद के संदर्भ में)

चतुर्थ खण्ड **विशिष्ट प्रयोग तथा अनुवाद**

इकाई –13 **विशिष्ट प्रयोग –।**

शब्द और शब्द संयोग, शब्द संयोगों में पर्याय चयन की सीमाएं, शब्द संयोग के पयाय के रूप में एक शब्द का प्रयोग, शब्द कोशीय अर्थ और शब्दों का प्रयोग नए शब्दों का अनुवाद, बहुप्रचलित शब्दों के पर्याय।

इकाई –14 **विशिष्ट प्रयोग –।।**

अंग्रेजी में बहुवचन के प्रयोग की विशिष्टता, अंग्रेजी में वर्तमान काल के क्रिया रूप का हिन्दी में भविष्यत् काल के रूप में अनुवाद, अंग्रेजी में मितव्ययता और समांग पद, अंग्रेजी में सर्वनाम का पूर्व प्रयोग, निरपेक्ष उद्देश्य, द्वयर्थक वाक्यांश।

इकाई –15 **विशिष्ट प्रयोग–।।।**

कालों के क्रम का महत्व, प्रत्यक्ष और परोक्ष कथन, मुहावरेदार प्रयोग, कहावतें तथा लोकोक्तियां।

इकाई –16 **विशिष्ट प्रयोग – IV-**

शब्दों और शब्द संयोगों का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ (पत्रकारिता, कहानी, व्यंग्यलेख, जीवनी व संस्कृति विषयक लेख से उद्धरण देकर स्पष्टीकरण)।

पंचम खण्ड **सारानुवाद**

इकाई –17 सारानुवाद : स्वरूप और प्रविधि

इकाई –18 सारानुवाद के विविध पक्ष

इकाई –19 सारानुवाद : व्यवहार –। (अंग्रेजी से हिन्दी)

इकाई –20 सारानुवाद : व्यवहार –।। (हिन्दी से अंग्रेजी)

षष्ठ खण्ड **आशु अनुवाद**

इकाई –21 आशु अनुवाद : स्वरूप और प्रविधि

इकाई –22 आशु अनुवाद के विविध पक्ष

इकाई –23 आशु अनुवाद : व्यवहार –।

अंग्रेजी से हिन्दी आशु अनुवाद की प्रविधि, आशु अनुवाद की व्यावहरिक समस्याएं और समाधान, ध्यातव्य बातें ।

इकाई –24 **आशु अनुवाद : व्यवहार–।।**

हिन्दी से अंग्रेजी आशु अनुवाद की प्रविधि, व्यावहारिक समस्याएं, ध्यातव्य बातें।

PGDT - 04

प्रशासनिक अनुवाद

प्रथम खण्ड **भाषा प्रयुक्ति की अवधारणा और अनुवाद**

इकाई –01 भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना और प्रमुख विषय क्षेत्र

इकाई –02 विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

इकाई –03 **विभिन्न प्रयुक्तियों का अनुवाद –।**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की क्षेत्र में अनुवाद, वाणिज्य के क्षेत्र में अनुवाद, प्रशासनिक अनुवाद, विधि के क्षेत्र में अनुवाद, जनसंचार माध्यमों में अनुवाद, विज्ञापनों का अनुवाद।

इकाई –04 **विभिन्न भाषा प्रयुक्तियों का अनुवाद–।।**

विज्ञान, वाणिज्य, प्रशासन, विधि, विज्ञापन एवं सामाजिक विज्ञान विषयक अनुच्छेदों का अनुवाद।

इकाई –05 सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद और तकनीकी अनुवाद से उसकी तुलना

द्वितीय खण्ड **प्रशासनिक कार्य में हिन्दी का प्रयोग और अनुवाद**

इकाई –06 कार्यालय की भाषा का स्वरूप और प्रशासनिक हिन्दी

इकाई –07 प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की भूमिका

इकाई –08 प्रशासनिक हिन्दी की चुनौतियॉ और समस्याएं

तृतीय खण्ड **प्रशासन की पारिभाषिक शब्दावली**

इकाई –09 प्रशासनिक शब्दावली

इकाई –10 सही पर्याय का चयन और समुचित वाक्य विन्यास

चतुर्थ खण्ड **विविध प्रकार की प्रशासनिक सामग्री का अनुवाद**

इकाई –11 **विभिन्न प्रकार के प्रशासनिक पत्रों का अनुवाद–।**

प्रशासनिक पत्रों के अनुवाद का आवश्यकता, प्रशासनिक पत्रों की भाषा, प्रशासनिक पत्रों में काम आने वाले प्रमुख वाक्यांश, पत्राचार के विभिन्न रूप और उनका अनुवाद (पत्र तथा पृष्ठांकन, कार्यालय ज्ञापन, ज्ञापन, अर्द्धसरकारी पत्र, अनौपचारिक टिप्पणी, अधिसूचना, कार्यालय आदेश, आदेश, परिपत्र, अनुस्मारक), सटीक पर्यायों का चयन।

इकाई –12 **प्रशासनिक पत्रों का अनुवाद–।।**

अनुवाद पूर्व अध्ययन, मंजूरी पत्रों का अनुवाद, प्रमाण पत्रों को अनुवाद, सरकारी तार (हिन्दी में तार संबंधी नियम, तारों का अनुवाद)

इकाई –13 टिप्पणी प्रारूपण और अनुवाद

इकाई –14 **फार्मों का अनुवाद –**

फार्म सरकारी कामकाज का अनिवार्य अंग, फार्म से तात्पर्य, फार्मों के अनुवाद की आवश्यकता, फार्मों के अनुवाद का स्वरूप, फार्मों के प्रकार (असांविधिक फार्म, सांविधिक फार्म) फार्मों की भाषा, फार्मों के अनुवाद में प्रयोग की जाने वाली तकनीकी शब्दावली, अभ्यास।

इकाई –15 **संसदीय प्रश्नोत्तर तथा डिबेट आदि का अनुवाद**

भारतीय संविधान में संसद का स्थान, संसद की कार्यपद्धति, संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषाएं, संसद में प्रतिदिन की कार्यवाही (प्रश्नकाल, संसदीय प्रश्नों का अनुवाद, कार्यसूची में शामिल विषयों पर चर्चा, विधेयकों का अनुवाद, विधेयक पारित करने की प्रक्रिया, विधेयक पर चर्चा, संसद में बजट पर चर्चा), संसदीय वाद विवाद का अनुवाद, संसद में अनुवाद की जाने वाली अन्य सामग्री, सारानुवाद, आशुअनुवाद, शब्दों का विशिष्ट अर्थ में प्रयोग।

पंचम खण्ड **कार्यविधि साहित्य का अनुवाद**

इकाई –16 मैनुअलों तथा रिपोर्टों का अनुवाद
इकाई –17 विधिक प्रकृति के कागजात का अनुवाद
इकाई –18 राजनयिक पत्रों एवं प्रलेखों का अनुवाद
इकाई –19 अंतर्राष्ट्रीय संधियों – समझौतों आदि का अनुवाद

षष्ठ खण्ड **बैंकिगं क्षेत्र में अनुवाद**
इकाई –20 बैंकिंग सामग्री का अनुवाद –। (ग्राहम सेवा)
इकाई –21 बैंकिंग सामग्री की अनुवाद –।। (प्रशासनिक प्रलेख)

सप्तम खण्ड **अनुवाद व्यवहार**
इकाई –22 प्रशासनिक अनुवाद की सामान्य भूलें और उनका समाधान
इकाई –23 अभ्यास –। (अंग्रेजी से हिन्दी)
इकाई –24 अभ्यास –।। (हिन्दी से अंग्रेजी

PGDT-05

हिन्दी भाषा : इतिहास और वर्तमान

भारत की भाषाएँ और हिन्दी

भाषा की परिभाषा– भाषा–संप्रेषण के रूप में, भाषा – सामाजिक व्यवहार के रूप में भाषा– संरचना के रूप में।

भारतीय भाषाएँ और भारोपीय परिवार – विश्व की भाषाएँ तथा भाषा परिवार, भारोपीय परिवार, भारत– ईरानी शाखा, भारोपीय परिवार की विशेषताएँ।

भारतीय आर्य भाषाएँ– भारत के भाषा परिवार (द्रविड़, आस्ट्रिक, चीनी–तिब्बती), भारतीय आर्य भाषाएँ : एक विहंगम दृष्टि, भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण (ग्रियर्सन, डॉ0 चटर्जी, तुलना), भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय, विशेषताएँ।

हिन्दी भाषा– हिन्दी भाषा का विकास, हिन्दी भाषा का क्षेत्र, हिन्दी का साहित्य, हिनदी भाषा पर समानता, वाक्य संरचना के स्तर पर समानता, भारत की भाषाओं में मूलभूत एकता स्वर।

हिन्दी भाषा का इतिहास

संस्कृति भाषा– संस्कृत साहित्य (वैदिक, लौकिक), संस्कृत भाषा (लौकिक संस्कृत, वैदिक तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर)।

पालि, प्राकृत और अपभ्रंश– मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, आर्य भाषाओं का विकास क्रम।

हिन्दी भाषा का विकास – आदिकाल , मध्यकाल; आधुनिक काल में हिन्दी (खड़ी बोली का विकास, 19वीं सदी के बाद के बाद खड़ी बोली का विकास), हिन्दी और उर्दू की समस्या, भारतेन्दु युग और हिन्दी, शताब्दी में हिन्दी।

हिन्दी भाषा के विविध रूप

हिन्दी भाष के अवधारणा– हिन्दी भाष : स्वरूप और भूमिकाए, हिन्दी भाषा का स्वरूप (विविध बोलियाँ, विविध क्षेत्रीय रूप; हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी का सवाल), हिन्दी भाषा की भूमिकाएँ (सम्पर्क भाषा, राजभाषा, प्रयोजनमूलक भाषा, अन्तर्राष्ट्रीय भाषा)।

हिन्दी का जनपदीय आधार– भाषा और बोली, हिन्दी का जनपदीय आधार, हिन्दी की उपभाषाएँ (राजस्थानी, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी, पहाड़ी) पश्चिमी हिन्दी और पूर्वी हिन्दी में अन्तर (ध्वनि स्तर, व्याकरणिक स्तर), वर्गीकरण का पुनरावलोकन।

हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ– मारवाड़ी, ब्रज, खड़ी बोली, अवधी, भोजपुरी, मैथिली; बोलियों की सामान्य विशेषताएँ।

हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी का सन्दर्भ– हिन्दी, उर्दू, हिन्दूस्तानी, हिन्दी बनाम उर्दू।

बोलचाल की भाषा और लिखित भाषा– बोलचाल की भाषा और लिखित भाषा की प्रकृति, कुछ

सामान्या अंतर, विशेषताओं की तुलना, उच्चरित भाषा और लिखित भाषा का एक दूसरे पर प्रभाव, बोलचाल की भाषा का लिप्यंकन, लिखित भाषा में उच्चारणात्मक प्रभाव।

हिन्दी के प्रकार्य

हिन्दी के विविध प्रकार्य– भाषा के सामान्य प्रकार्य, भाषा के प्रयोजनमूलक प्रकार्य (राजभाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा हिन्दी), विकास की दिशाएँ विकास में समस्याएँ, अन्य प्रमुख कार्य।

हिन्दी का प्रयोजनमूलक स्वरूप– प्रयोजनमूलक भाषा से तात्पर्य, प्रयुक्ति की संकल्पना, प्रयुक्ति का आधार, हिन्दी की प्रयुक्तियाँ और प्रयोजनमूलक हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी जानने की आवश्यकता, प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप (वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में हिन्दी, सामाजिक विज्ञानों के क्षेत्र में हिन्दी वैज्ञानिक और तकनीकी हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी, विधि के क्षेत्र में हिन्दी, सामाजिक विज्ञानों के क्षेत्र में हिन्दी, संचार माध्यमों में हिन्दी, विज्ञापन के क्षेत्र में हिन्दी), प्रयोजनमूलक हिन्दी और सामान्य हिन्दी में अन्तर, प्रयोजनमूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अन्तर।

सम्पर्क भाषा हिन्दी और हिन्दी का अखिल भारतीय स्वरूप– सम्पर्क भाषा से तात्पर्य, कौन– सी भाषा सम्पर्क भाषा हो सकती है? हिन्दी सम्पर्क भाषा क्यों? सम्पर्क भाषा और राष्ट्रभाषा : हिन्दी का सन्दर्भ , संपर्क भाष हिन्दी के विविध क्षेत्र, हिन्दी का अखिल भारतीय स्वरूप, सम्पर्क भाषा हिन्दी के सरलीकरण का प्रश्न, हिन्दी के कृतिम रूप से विकास का प्रश्न, सम्पर्क लिपि के रूप में देवनागरी, सम्पर्क भाषा हिन्दी के विकास में अनुवाद का महत्व।

हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ – विदेशों में हिन्दी भाषी, अन्य देशों में हिन्दी, विदेशों में हिन्दी का प्रयोजन पक्ष, विदेशों में हिन्दी शिक्षण की स्थिति विदेशों में हिन्दी भाषा का स्वरूप।

शिक्षा में हिन्दी

पाठ्यचर्या में भाषा– स्कूली शिक्षा में भाषा, त्रिभषा सूत्र, भाषा के विविध नाम (नामों का भाषा वैज्ञानिक महत्व, शिक्षाशास्त्रीय महत्व), त्रिभाषा सूत्र का कार्यान्वयन, विभिन्न राज्यों में त्रिभाषा की स्थिति।

माध्यमिक शिक्षा में हिन्दी – त्रिभाषा सूत्र में हिन्दी शिक्षण, विभिन्न राज्यों में हिन्दी शिक्षण की स्थिति, विधि का सवाल (पाठ्य सामग्री का निर्माण, प्रशिक्षण)।

उच्च शिक्षा में हिन्दी – उच्च शिक्षा का स्वरूप, उच्च शिक्षा में भाषाः स्वरूप और संकल्पना, भाषा शिक्षा की प्रयोजनपरक दृष्टि, भाषा उन्मुख पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रमों का स्वरूप।

शिक्षा माध्यम के रूप में हिन्दी– शिक्षा माध्यम का महत्व, शिक्षा माध्यम का राष्ट्रीय सामाजिक जीवन से सम्बन्ध, हिन्दी शिक्षा का माध्यम क्यों? भारतीय हिनदी शिक्षा व्यवस्था की ऐतिहासकि पृष्ठभूमि, स्वाधीन भारत की शिक्षा माध्यम संबंधी नीति, शिक्षा माध्यम निर्धारण और कार्यान्वयन, हिन्दी माध्यम की पाठ्य सामग्री का निर्माण, हिन्दी माध्यम

सामग्री निर्माण का भाषिक पक्ष, परीक्षा का माध्यम, मूल्यांकन : सीमाएँ और संभावनाएँ।

शैक्षिक सामग्री – भाषा शिक्षण सामग्री, भाषा शिक्षण सामग्री के प्रकार, उचित विधि का चयन, भाषा शिक्षण में दृष्य श्रव्य साधन, भाषा उन्मुख पाठ्यक्रम, सामग्री निर्माण के अभिकरण, अनौपचारिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, प्रशिक्षण व्यवस्था।

कार्यक्षेत्र में हिन्दी– कार्यक्षेत्र परिभाषा और क्षेत्र विस्तार सेवाएँ , भाषा सम्बन्धी अन्य क्षेत्रः संभावनाएँ, निजी क्षेत्र में भाषा स्वीकृति का सवाल और उपाय।

संविधान में हिन्दी

संविधान में हिन्दी सम्बन्धी उपबन्ध– स्वतन्त्रता के समय भारत में भाषा का मसला, संविधान और हिन्दी, शासन के अंग और भाषा राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा, विशेष निर्देश।

संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार कार्रवाई– राजभाषा आयोग, संसदीय समिति का गठन, राष्ट्रपति का आदेश, 1960; अधिनियम की ओर।

राजभाषा अधिनियाम और आदेश – राजभाषा अधिनियम (राजभाषा अधिनियम 1963 का मूल रूप, उक्त अधिनियम का विवेचन), राजभाषा नियम (राजभाषा नियम 1979 का मूल रूप , उक्त नियम का विवेचन)।

राजभाषा के विकास के विविध आयाम– तीनों अंगों में भाषा (न्यायांग में राजभाषा, कार्यांग में राजभाषा), राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन, हिन्दी के प्रचार–प्रसार का कार्य।

विकास की दिशाएँ

आधुनिक सन्दर्भों के लिए हिन्दी भाषा का विकास– भाषा की नीति का सवाल, भाषा नियोजन, भाषा विकास, (प्रयोजन के क्षेत्र, विकास की दिशाएँ)।

हिन्दी का आधुनिकीकरण– भाषा का प्रयोजन विस्तार (राजभाषा, शिक्षा की भाषा, प्रसार का क्षेत्र) भाषा का कोड विस्तार (ध्वनि और लिपि में कोड विस्तार, शब्दावली, नई अभिव्यक्तियाँ, यांत्रिक सुविधाएँ) आधुनिकीकरण के आवश्यक कारक, आधुनिकीकरण की समस्याएँ।

मानक हिन्दी और मानकीकरण की समस्या– मानक भाषा और मानकीकरण, मानकीकरण का औचित्य, मानकीकरण का स्वरूप, मानकीकरण के उपाय और कार्यान्वयन, निदेशालय द्वारा मानकी करण के सुझाव (देवनागरी वर्णमाला का मानकीकरण, हिन्दी की वर्तनी का मानकीकरण।

हिन्दी भाषा में यांत्रिक साधन – यांत्रिकीकरण क्या है?, तार, मुद्रण (टंकण, व्यावसायिक मुद्रण, कक्ष मुद्रण), कम्प्यूटर और हिन्दी।

PGDT-06

प्रयोजनमूलक हिन्दी

खण्ड–1

हिन्दी की भाषिक व्यवस्था और उसका मानक रूप

इकाई–1 मौखिक तथा लिखित भाषा
इकाई–2 लिपि– वर्तनी का मानक रूप
इकाई–3 शब्दसंपदा और उसका मानकीकरण
इकाई–4 आधारभूत वाक्य संरचना, भाषिक प्रयोग तथा मानक रूप
इकाई–5 हिन्दी भाषाः मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

खण्ड–2

प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

इकाई–6 सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी
इकाई–7 प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्तियाँ और व्यवहार क्षेत्र
इकाई–8 प्रयोजनमूलक हिन्दी : वाक्य संरचना
इकाई–9 प्रयोजनमूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली

खण्ड–3

कार्यालय हिन्दी – 1

इकाई–10 संविधान में हिन्दी और राजभाषा अधिनियम
इकाई–11 राजभाषाः स्वरूप एवं कार्यान्वयन
इकाई–12 कार्यालय हिन्दी की भाषिक प्रकृति
इकाई–13 हिन्दी की प्रशासनिक शब्दावली और भक्तिव्यक्ति

खण्ड–4

कार्यालय हिन्दी – 2

इकाई–14 प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप
इकाई–15 टिप्पण लेखन
इकाई–16 मसौदा लेखन
इकाई–17 बैठके और प्रतिवेदन
इकाई–18 संक्षेपण/सार लेखन

खण्ड–5

वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा– रूप

इकाई–19 वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा–रूप
इकाई–20 वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली
इकाई–21 पर्याय निर्धारण, शब्द निर्माण और प्रयोग
इकाई–22 वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

खण्ड–6

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई–23 जनसंचार माध्यमः विविध आयाम
इकाई–24 जनसंचार के विविध रूपः भाषिक प्रकृति
इकाई–25 समाचार लेखन और हिन्दी

इकाई–26 विज्ञापन और हिन्दी

इकाई–27 संपादन कला

खण्ड–7

अन्य प्रयुक्तियाँ

इकाई–28 वाणिज्य में हिन्दी

इकाई–29 बैंकिंग प्रणाली में हिन्दी

इकाई–30 रक्षा/सेना में हिन्दी

इकाई–31 विधि/न्याय के क्षेत्र में हिन्दी